

UGC NET Paper 1 2011 June

www.Fillerform.info

Previous Years Solved Questions - UGC NET Paper 1 for July 201

Unit 3(Home work)Hindi/Eng-32

Today I Rabindranath Tagore complete eighty years of my life .As I look back on the vast stretch of years that lie behind me and see in clear perspective the history of my early development, I am struck by the change that has taken place both in my own attitude and in the psychology of my countrymen -- a change that carries within it a cause of profound tragedy.

Our direct contact with the larger world of men was linked up with the contemporary history of the English people whom we came to know in those earlier days. It was mainly through their mighty literature that we formed our ideas with regard to these newcomers to our Indian shores. In those days the type of learning that was served out to us was neither plentiful nor diverse, nor was the spirit of scientific enquiry very much in evidence. Thus their scope being strictly limited, the educated of those days had recourse to English language and literature. Their days and nights were eloquent with the stately declamations of Burke, with Macaulay's long-rolling sentences; discussions centered upon Shakespeare's drama and Byron's poetry and above all upon the large-hearted liberalism of the nineteenth-century English politics.

At the time though tentative attempts were being made to gain our national independence, at heart we had not lost faith in the generosity of the English race. This belief was so firmly rooted in the sentiments of our leaders as to lead them to hope that the victor would of his own grace pave the path of freedom for the

vanquished. This belief was based upon the fact that England at the time provided a shelter to all those who had to flee from persecution in their own country. Political martyrs who had suffered for the honour of their people were accorded unreserved welcome at the hands of the English.

I was impressed by this evidence of liberal humanity in the character of the English and thus I was led to set them on the pedestal of my highest respect. This generosity in their national character had not yet been vitiated by imperialist pride. About this time, as a boy in England, I had the opportunity of listening to the speeches of John Bright, both in and outside Parliament. The large-hearted, radical liberalism of those speeches, overflowing all narrow national bounds, had made so deep an impression on my mind that something of it lingers even today, even in these days of graceless disillusionment.

Q1.From the first paragraph, give a synonym for ‘deep’:

- 1.Perspective
- 2.Profound
- 3.tragedy
- 4.Psychology

Ans

Q2.What helped the Indians to conceive of a notion of the Englishmen?

- 1.Their advanced weaponry
- 2.Their literature
- 3.Their orders
- 4.Their administration

Ans –

Q3. Who could read and gain from English literature?

1. The educated Indians
2. All the Indians
3. Only writers such as Rabindranath Tagore
4. None of the above

Ans –

Q4. From the third paragraph, give an antonym for 'victorious'

1. Victor
2. vanquished
3. Belief
4. Persecution

Ans –

Q5. Whose speeches did Tagore listen to, as a boy?

1. Shakespeare
2. Byron
3. John Bright
4. Macaulay

Ans –

आज मैं रवींद्रनाथ टैगोर ने अपने जीवन के अस्सी वर्ष पूरे कर लिए हैं। जब मैं अपने पीछे पड़े वर्षों के विशाल खंड को देखता हूँ और अपने प्रारंभिक विकास के इतिहास को स्पष्ट परिप्रेक्ष्य में देखता हूँ, तो मैं अपने दोनों में हुए परिवर्तन से प्रभावित होता हूँ। मेरा अपना रवैया और मेरे देशवासियों के मनोविज्ञान में एक ऐसा परिवर्तन जो अपने भीतर गहरी त्रासदी का कारण बनता है।

पुरुषों की विशाल दुनिया के साथ हमारा सीधा संपर्क अंग्रेजी लोगों के समकालीन इतिहास से जुड़ा था, जिन्हें हम उन शुरुआती दिनों में जानते थे। यह मुख्य रूप से उनके शक्तिशाली

साहित्य के माध्यम से था कि हमने अपने भारतीय तटों पर इन नवागंतुकों के संबंध में अपने विचारों का निर्माण किया। उन दिनों जिस प्रकार की शिक्षा हमें दी जाती थी, वह न तो भरपूर थी और न ही विविध, न ही वैज्ञानिक जांच की भावना बहुत अधिक प्रमाण में थी। इस प्रकार उनका दायरा सख्ती से सीमित होने के कारण, उन दिनों के शिक्षितों को अंग्रेजी भाषा और साहित्य का सहारा लेना पड़ा। उनके दिन और रात बर्क के आलीशान उद्घोषों के साथ, मैकाले के लंबे-लंबे वाक्यों के साथ वाक्पटु थे; चर्चा शेक्सपियर के नाटक और बायरन की कविता और सबसे बढ़कर उन्नीसवीं सदी की अंग्रेजी राजनीति के बड़े दिल वाले उदारवाद पर केंद्रित थी।

उस समय यद्यपि हमारी राष्ट्रीय स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए अस्थायी प्रयास किए जा रहे थे, लेकिन दिल से हमने अंग्रेजी जाति की उदारता में विश्वास नहीं खोया था। यह विश्वास हमारे नेताओं की भावनाओं में इतनी मजबूती से निहित था कि उन्हें इस आशा की ओर ले गया कि विजेता अपनी कृपा से पराजितों के लिए स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त करेगा। यह विश्वास इस तथ्य पर आधारित था कि उस समय इंग्लैंड ने उन सभी लोगों को आश्रय प्रदान किया था जिन्हें अपने ही देश में उत्पीड़न से भागना पड़ा था। अपने लोगों के सम्मान के लिए कष्ट सहने वाले राजनीतिक शहीदों का अंग्रेजों के हाथों अनारक्षित स्वागत किया गया।

मैं अंग्रेजों के चरित्र में उदार मानवता के इस प्रमाण से प्रभावित हुआ और इस प्रकार मुझे उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मान के पायदान पर स्थापित करने के लिए प्रेरित किया गया। उनके राष्ट्रीय चरित्र में यह उदारता अभी तक साम्राज्यवादी अभिमान से कम नहीं हुई थी। लगभग इसी समय, इंग्लैंड में एक लड़के के रूप में, मुझे जॉन ब्राइट के भाषणों को संसद के भीतर और बाहर दोनों जगह सुनने का अवसर मिला। उन भाषणों के बड़े दिल वाले, कट्टरपंथी उदारवाद ने, सभी संकीर्ण राष्ट्रीय सीमाओं को पार करते हुए, मेरे दिमाग पर इतनी गहरी छाप छोड़ी थी कि आज भी कुछ ऐसा ही है, यहां तक कि इन दिनों निराशाजनक मोहभंग में भी।

Q1. पहले पैराग्राफ से, 'डीप' का समानार्थी शब्द दें:

1. परिप्रेक्ष्य
2. गहरा

3. त्रासदी

4. मनोविज्ञान

उत्तर -

Q2. भारतीयों को अंग्रेजों की धारणा को समझने में किस बात ने मदद की?

1. उनके उन्नत हथियार

2. उनका साहित्य

3. उनके आदेश

4. उनका प्रशासन

उत्तर -

Q3. अंग्रेजी साहित्य को कौन पढ़ और प्राप्त कर सकता है?

1. शिक्षित भारतीय

2. सभी भारतीय

3. केवल रवींद्रनाथ टैगोर जैसे लेखक

4. उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर -

Q4. तीसरे पैराग्राफ से, विजयी का विलोम शब्द दें

1. विक्टर
2. परास्त
3. विश्वास
4. उत्पीड़न

Ans-

Q5. एक लड़के के रूप में टैगोर किसके भाषणों को सुनते थे?

1. शेक्सपियर
2. बायरन
3. जॉन ब्राइट
4. मैकाले

उत्तर -